# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 28 सोमवार 17 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## वंदे मातरम विवाद पर बढ़ सकती हैं सोनिया गांधी की मुश्किलें

**नई दिल्ली (आभा)।** स्वतंत्रता दिवस पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के गायन के दौरान हुए घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेताओं ने रविवार को कर्नाटक के मंगलोर स्थित उर्वा पुलिस स्टेशन में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के खिलाफ एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है।

बता दें कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' गाया जा रहा था। आरोप है कि इस दौरान

मंच पर उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता आपस में बातचीत करते और राष्ट्रगीत के पूर्ण रूप से गाए जाने पर असहज दिख रहे थे। भारतीय जनता पार्टी ने इसे राष्ट्रगीत का अनादर करार दिया है। कांग्रेस पार्टी ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। पार्टी का कहना है कि सोनिया गांधी के रुख का राष्ट्रगीत के प्रति किसी अनादर से कोई संबंध नहीं था। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गाया गया और सोनिया गांधी केवल कार्यक्रम में उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी का प्रबंध करने का प्रयास कर रही थीं।

बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के मन में श्वंदे मातरमश के प्रति सम्मान नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जब राष्ट्रगीत बज रहा था तब सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की असहजता साफ नजर आ रही थी। बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि राष्ट्रगीत के दौरान ऐसा व्यवहार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और यह दुखद है कि गीत को रोकने की कोशिश की गई। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के आचरण से साफ झलकता है कि राष्ट्रगीत का जानबूझकर अनादर करने की कोशिश की गई।

## उल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का पर्व

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगॉठ के अवसर पर सभी सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीयध्वज फहराया गया, राष्ट्रगान एवं वन्दे मातरम् गाया गया। स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा प्रभातफेरिया निकाली गयी। इस अवसर पर 15 अगस्त अमर रहें तथा भारत माता की जय के नारों से वातावरण गूज उठा। मण्डलायुक्त वैभव श्रीवास्तव, जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने ध्वजारोहण किया।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी ज्ञान चन्द्र गुप्ता उप जिलाधिकारी हिमांशु कुमार, रश्मि यादव, राजेश रंजन, मोतीलाल रंजन, राघवशरण शुक्ला, वीरेन्द्र कुमार, सुदर्शन यादव, सुरजीत कुमार, दीपक शुक्ला, इन्द्र कुमार गुप्ता, रैनो बाला, पिंकी श्रीवास्तव, ओम प्रकाश मिश्रा, अशोक चौधरी, धनन्जय सिंह, सरदार जगवीर सिंह, जीजीआईसी शिक्षिका मानवी सिंह सहित विभागीय अधिकारी/कर्मचारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

## स्वतंत्रता दिवस अमर बलिदानियों को याद करने का दिन- विवेक कुमार

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव और विजय विक्रम आर्य ने डा. अम्बेडकर छात्रावास सिविल लाइन में ध्वजारोहरण किया।

विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस अंततः उन सभी ज्ञात–अज्ञात सेनानियों को नमन करने का दिन है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित किया। तिरंगे के नीचे खड़े होकर जब राष्ट्रगान गूंजता है, तो यह केवल एक समारोह नहीं बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा की याद होती है जिसने भारत को एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाया।

छात्रावास अध्यक्ष विवेक कुमार ने कहा कि 15 अगस्त 2026 का संदेश भी यही है आजादी के बलिदानों को याद रखते हुए एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लिया जाए, जो मजबूत, समृद्ध, आत्मनिर्भर, समावेशी और विकसित हो। उन्होने छात्रों का आवाहन किया कि वे बाबा साहब के विचारों को आगे बढाते हुये संवैधानिक अधिकारों, समान शिक्षा के लिये रचनात्मक संघर्ष करें।

ध्वजारोहण में छात्रावास के प्रमोद कुमार, बिहारीलाल, अवधेश,हर्ष,दिनेश कुमार, छात्रावास अधीक्षक सुरेन्द्र चौधरी, चंद्रशेखर मुन्ना, एडवोकेट बुद्धि प्रकाश, कमलेश सचान, सोहन कुमार, अनीश, अक्षय, अरविन्द, मनीष, उमेश, राजकुमार, अंकित, प्रवीण, रामसजन, इन्द्रजीत के साथ ही छात्रावास के छात्र उपस्थित रहे।

## सेन्ट्रल एकेडमी में उल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का पर्व

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी में स्वतंत्रता दिवस का पर्व उत्साह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। निदेशक जे.पी. तिवारी ने ध्वजारोहण के बाद छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि नई पीढी का दायित्व है कि वे अमर स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों, संकल्प को साकार करने की दिशा में योगदान करें। कहा कि देश निरन्तर कई मोर्चो पर प्रगति की ओर है। स्वतंत्रता दिवस हमें अमर बलिदानियों की याद दिलाता है।

निदेशक सीमा तिवारी, अनुज तिवारी, प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने छात्रों को स्वतंत्रता आन्दोलन की विस्तार से जानकारी देते हुये कहा कि विकास यात्रा चुनौतियों के बीच निरन्तर जारी है। अनेक बलिदानों के बाद देश को जो आजादी मिली उसकी रक्षा हम सबका दायित्व है।

इस अवसर पर छात्र–छात्राओं राजश्री तिवारी, रौनक, फरहान, आराध्या, साक्षी, अंजली, एन्जल, अलका, आदिति मिश्रा, दिव्यांशी, अन्वी, निषिका, गरिमा, मानसी, खुशी, रौनक, हिफजा, सौम्या, अंशी, श्रद्धा, अदीना, आरोही, सोनाक्षी, ज्योति आदि ने देश भक्ति पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। मुख्य रूप से आबिद अरशद, प्रियंका त्रिपाठी, ए.के. मिश्र, अतुल, आजम, जिशान, फिजा अकरम, फिजा यनुस, अंजली, प्रिया राय, रानी, रूचि, सुधा गोंड़ आदि ने छात्रों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व की जानकारी दिया।

## पेड वाले बाबा ने रोपे पौधः दिया संदेश

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। पर्यावरण रक्षा के क्षेत्र में तीन दशक से सक्रिय पेड़ वाले बाबा गौहर अली ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कृषि कार्यालय के निकट सेमर, लहचोरा ,अमलतास कड़ी पत्ता आदि के औषधीय पौधे लगाए। पौधों की सुरक्षा के लिये ट्रीगार्ड भी लगाये गये।

गौहर अली ने पौधरोपण के बाद कहा कि वे जब वृक्ष का रूप ले लेंगे तो वन्य जीव पर आश्रित जीव जंतुओं का भी काफी भला होगा। कहा कि हम पौधे को लगाकर अपनी जिम्मेदारी खत्म नहीं करते हैं जब तक पौधा वृक्ष का रूप ना ले ले ।

पौधरोपण में अखिलेश राज, अजीत सिंह यादव, शरद कुमार पाण्डेय, राम गोपाल कसौधन, अशोक कुमार सिंह, रोशन अली ने योगदान दिया।

## स्वतत्रता का 80 वां वर्ष बड़ी उपलब्धि–डा. वी.के. वर्मा

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

**बस्ती** । स्वतंत्रता दिवस का पर्व शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण के साथ अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुये। पटेल एस. एम. एच. हॉस्पिटल एंड पैरामेडिकल कॉलेज गोटवा बस्ती में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रबंधक एवं जिला चिकित्सालय बस्ती में आयुष चिकित्साधिकारी डॉ. वी.के. वर्मा ने झंडारोहण किया। कहा कि स्वंतत्रता का 80 वां वर्ष एक बड़ी उपलब्धि है। यह दिन अमर शहीदों को नमन् करने का है जिनके बलिदान से देश आजाद हुआ और निरन्तर प्रगति की ओर है। उन्होने युवाओं का आवाहन किया कि वे अमर शहीदों के स्वप्न साकार करने की दिशा में अपना रचनात्मक योगदान दें।

इसी कम में गौतम बुद्ध मुराली देवी बालिका इण्टर कालेज गोटवा, गौतम बुद्ध विद्या मंदिर गोटवा कटया, वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बसुआपार, श्री श्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय लौहरौली तिलकपुर , गौतम बुद्ध कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय गोटवा में ध्वजारोहण के साथ स्वतंत्रता दिवस का पर्व उल्लास से मनाया गया। कार्यक्रमों में मुख्य रूप से डा. आलोक रंजन, डा. आर.एन. चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज मिश्र, लालजी यादव, ई. रघुनाथ पटेल शिव प्रसाद, गोल्डी, गिरिजा, फूलपती, आराधना पाण्डेय, जे.एन. वर्मा, प्रवीण त्रिपाठी, विनय मौर्या जे. पी. दूबे, डा. पवन गुप्ता, पूजा, लक्ष्मी, ध्रुव चन्द, भूपेन्द्र, वीरेन्द्र, नीलम, जगनरायन, अमरेश, गौरव पाण्डेय, जगदम्बा प्रसाद दूबे, जन्नाथ मिश्र, मनोज कुमार आदि शामिल रहे।

## सोम सुन्दरम अध्यक्ष, सत्यम सिंह मंत्री निर्वाचित

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। उत्तर प्रदेश गन्ना पर्यवेक्षक संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन सहकारी गन्ना विकास समिति के सभागार में शनिवार को रणवीर सिंह श्रीनेत्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में गन्ना पर्यवेक्षकों की समस्याओं पर विचार के साथ ही पुरानी पेंशन की बहाली, आठवे वेतन आयोग की रिपोर्ट शीघ्र प्रकाशित किये जाने आदि मुद्दों पर विचार किया गया। दूसरे चरण में चुनाव अधिकारी विवेकानन्द सिंह और सह चुनाव अधिकारी नित्यानन्द मिश्र की देख रेख में हुये चुनाव में सर्व सम्मत से सोम सुन्दरम अध्यक्ष, शैलेश मौर्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सत्यम सिंह मंत्री, राम सजीवन लेखा सम्प्रेक्षक चुने गये।

**–गन्ना पर्यवेक्षक संघ के द्विवार्षिक अधिवेशन में गूंजा कर्मचारी हितों का मुद्दा**

पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुये विकास भवन कर्मचारी संघ अध्यक्ष राम अधार पाल ने कहा कि जनपद स्तर पर कर्मचारियों की अनेक समस्यायें वर्षो से लम्बित है। जिलाधिकारी को अनेकों बार ज्ञापन देने के बावजूद स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है और अधिकारी शासनादेशों का पालन भी नहीं कर रहे हैं। ऐसे में कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिये एकजुट होकर संघर्ष तेज करना होगा।

गन्ना पर्यवेक्षक संघ के प्रान्तीय महामंत्री अमित सिंह वैश्य ने कहा कि बिना डिमान्ड के अत्यधिक कृषि निवेश मंगाकर अनुचित दबाव डालकर गन्ना पर्यवेक्षकों को प्रताड़ित किया जा रहा है, अवकाश के दिनों में बुलाकर देर रात्रि तक कार्य कराया जा रहा है। संघ इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

द्विवार्षिक अधिवेशन को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, जिला मंत्री तौलू प्रसाद, सफाई कर्मचारी संघ के ब्लाक अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि कर्मचारियों के लिये यह कठिन समय है। कोराना काल के डेढ वर्ष के रोके गये महंगाई भत्ते नहीं दिये गये, पूर्व से मिल रहे अनेक भत्ते व सुविधाओं को समाप्त कर दिया गया। ऐसे में कर्मचाकरयों को निर्णायक संघ के लिये आगे आना होगा। अधिवेशन में अमर बहादुर सिंह, दिनेश वर्मा, संकेत सिंह, ओम प्रकाश झां, रविन्द्र चौधरी, संदीप गुप्ता, सतीश यादव, साहेब लाल, अरूण वर्मा, राम निरंजन वर्मा, जितेन्द्र कुमार, राजन यादव, मनीष कुमार, अश्विनी वर्मा, विनय द्विवेदी, प्रेमचन्द्र मिश्र, संदीप कुमार, राजेश कुमार, राहुल वर्मा, अशोक मिश्र, अजय राय, जितेन्द्र कुमार के साथ ही गन्ना पर्यवेक्षक संघ के अनेक पदाधिकारी, कर्मचारी के साथ ही विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

## स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कर रामायण रघुनाथ सिंह ने दिया संदेश

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। जनपद में स्वतंत्रता दिवस उल्लास और संकल्पों के साथ मनाया गया। बनकटी विकास खण्ड मुख्यालय पर ब्लाक प्रमुख मेवाती देवी, प्रमुख प्रतिनिधि रामायण रघुनाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। इसी कड़ी में दीपक प्रेरणा महिला संकुल समिति, एम.जे. एस. मां गौरी एचपी गैस महादेवा, एम.जे.एस. पेट्रोल पम्प महादेवा, डा. आर.पी. शुक्ल के सूर्या क्लीनिक, श्रीराम जानकी कन्या इण्टर कालेज, फुन्नन सिंह गौरी देवी कान्वेन्ट स्कूल में ध्वजारोहण करते हुये रामायण रघुनाथ सिंह ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में आगे बढ़ते हुए भारत की नई पीढ़ी के सामने अवसर भी बड़े हैं और चुनौतियां भी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और आधुनिक विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत की भूमिका आने वाले वर्षों में और महत्वपूर्ण हो सकती है। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस केवल अतीत को याद करने

का दिन नहीं, बल्कि युवाओं को यह याद दिलाने का अवसर है कि 2047 का भारत कैसा होगा, इसमें उनकी शिक्षा, कौशल, नवाचार और नागरिक जिम्मेदारी की बड़ी भूमिका होगी।

स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित अनेक कार्यक्रमों में रामायण रघुनाथ सिंह के साथ अनेक लोग शामिल रहे।

## फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने उल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम मंडल कार्यालय, रेड स्टार हॉस्पिटल, नारंग रोड, जिगिना चौराहा में जिला अध्यक्ष गिरिजेश सेन की अध्यक्षता और सिद्धार्थ सिंह श्रीनेत के संयोजन में हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष प्रमेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष गिरिजेश सेन, मण्डल उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद एवं जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह श्रीनेत द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर रेड स्टार हॉस्पिटल के स्टाफ द्वारा सभी पदाधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों का बैच लगाकर स्वागत किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया गया तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत संगठन की बैठक आयोजित की गई, जिसमें फार्मासिस्टों के हितों, उनकी समस्याओं तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों

पर चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया कि फार्मासिस्टों को कार्यस्थल पर किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े तथा पीपीआर को प्रभावी रूप से लागू कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 25 सितंबर को फार्मासिस्ट दिवस वृद्धाश्रम, बनकटा, बस्ती में मनाया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर एवं वृद्धजनों को फल वितरण जैसे जनसेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संगठन के लिए उत्कृष्ट कार्य के लिये मण्डल उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद, जिला अध्यक्ष, आईटी फारूक अब्दुल्ला एवं जिला संरक्षक सलाहुद्दीन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में कृष्ण मोहन यादव, अश्वनी चौधरी धर्मनाथ, अजय चौधरी, सुहैल अहमद, तनवीर अहमद, पवन रौनियार, अब्दुर्रशीद, रवि चौधरी, सविता यादव ,किरन वर्मा ,शालिनी त्रिपाठी, सनी कुमार, इकरा हुसैन, गुलाफरोज ,शैफ अली सहित रेड स्टार हॉस्पिटल का समस्त स्टाफ एवं संगठन के अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

## संगठन सृजन बैठक के दौरान कार्यालय घेरने पहुचे भाजपा नेताओं को कांग्रेसियों ने दौड़ा लिया

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। विधान सभा चुनाव 2027 में नए जोश के साथ कांग्रेस ने मैदान में उतरने के लिए अभी से ही अपनी तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश के सभी जिलों में कांग्रेस संगठन सृजन अभियान 25 अगस्त तक चलेगा। रविवार को कांग्रेस कार्यालय पर चल रहे संगठन सृजन अभियान के दौरान उस समय अजीब स्थिति उत्पन्न हो गई जब भाजपा के कुछ नेताओं ने कांग्रेस कार्यालय घेरने की कोशिश किया। फिर क्या था कांग्रेस नेता बाहर निकल आये और भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं को उल्टे पांव भागना पड़ा। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया उसके बाद बैठक पुनः शुरू हुई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में एआईसीसी पर्यवेक्षक चंदन यादव, पीसीसी पर्यवेक्षक डा. आर.पी. त्रिपाठी, जयकरन वर्मा, नवीन सिन्हा के नेतृत्व में एक टीम ने कार्यकर्ताओं से संवाद किया। बताया कि संगठन में युवा, ऊर्जावान, सक्रिय और जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को अवसर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन

को मजबूत करना है। पर्यवेक्षक टीम अगले आठ दिनों तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों ब्लाक और बूथों का दौरा करेगी। इस दौरान वे वरिष्ठ नेताओं, युवाओं, महिलाओं और नए कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करेंगे।

एआईसीसी पर्यवेक्षक चंदन यादव ने कहा कि कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य संगठन को धरातल और अधिक सशक्त बनाना है। प्रदेश में 2027 का चुनाव कांग्रेस पूरी ताकत और नए कलेवर के साथ लड़ेगी। अब संगठन में उन चेहरों को मौका मिलेगा, जो जमीन पर लगातार पसीना बहा रहे हैं। संगठन को केवल जिला स्तर तक सीमित न रखकर ब्लाक, मंडल और बूथ स्तर तक ले जाया जाएगा। संगठन सृजन अभियान

**-25 अगस्त तक ब्लाक और बूथ स्तर की समीक्षा करेगी टीम**

**-केन्द्रीय टीम ने कार्यकर्ताओं से बनाया संवाद, विधानसभा चुनाव तैयारियों में जुटी कांग्रेस**

25 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा ।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने बताया कि 25 अगस्त तक शीर्ष नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप लक्ष्य प्राप्त कर लिये जायेंगे। संगठन सृजन अभियान की बैठक में पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, अनूप पाण्डेय, देवेन्द्र श्रीवास्तव, वृजेश आर्य, नर्वदेश्वर शुक्ल, डा. वाहिद अली सिद्दीकी ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

बैठक में मुख्य रूप से शौकत अली नन्हू, संदीप श्रीवास्तव, अलीम अख्तर, कर्नल ए.के. सिंह, बाबूराम सिंह, सुरेन्द्र मिश्र, गिरजेश पाल, जयन्त चौधरी, अवधेश सिंह, साधू शरन आर्य, अनिल भारती, राकेश मणि त्रिपाठी, पिन्टू मिश्र, रविन्द्र सिंह, आलोक त्रिपाठी, अमित सिंह, रफीक खान, इश्तिखार अहमद, राहुल चतुर्वेदी, अमित सिंह, डा. दीपेन्द्र सिंह, अमरदेव सिंह, रामबचन भारती, अमर बहादुर शुक्ल, गुड्डू सोनकर, मनोज त्रिपाठी, सुधीर यादव, शकुन्तला देवी, दूधनाथ पटेल, आशुतोष पाण्डेय, राज बहादुर निषाद, विनय तिवारी, फिरोज खान, सलाहुद्दीन, मो. अशरफ अली, शोभित चौधरी, अनूप पाठक, आनन्द निषाद, सर्वेश शुक्ल, दिलीप श्रीवास्तव, संदीप त्रिपाठी, राकजपूर, राम बहादुर सिंह, वृजभान कन्नौजिया, अफजल हुसेन, राम बाबू 'कल्पू', अभिषेक सिंह, मनोज सिंह, लक्ष्मी यादव, मंजू पाण्डेय के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

## समाजवादियों ने जयन्ती पर वीरांगना अवंतीबाई लोधी को किया नमन्

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। रविवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में स्वतंत्रता सेनानी वीरांगना अवंतीबाई लोधी को उनकी जयंती पर याद किया गया। समाजवादियों ने उनके चित्र पर माल्यापर्ण कर योगदान पर चर्चा किया।

सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि अवंतीबाई लोधी ने आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई । उनका जन्म 16 अगस्त 1831 को मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के मनकेहनी नामक गांव में हुआ था। ऐसी वीरांगना का देश की सभी नारियों और पुरुषों को अनुकरण करना चाहिए और उनसे सीख लेकर नारियों को विपरीत परिस्थितियों में जज्बे के साथ खड़ा रहना चाहिए और जरूरत पड़े तो अपनी आत्मरक्षा व अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए वीरांगना का रूप भी धारण करना चाहिए। कहा कि भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों में रानी अवंतीबाई लोधी का प्रमुख स्थान है। उनके जीवन से देशवासियों को प्रेरणा लेनी चाहिये।

सपा नेता समीर चौधरी, सौरभ मिश्र 'शनि', राम सिंह यादव,

**–स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों में रानी अवंतीबाई लोधी का प्रमुख स्थान– महेन्द्रनाथ यादव**

मो. स्वालेह आदि ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी के योगदान पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि वीरांगना अवंतीबाई का व्यक्तिगत जीवन जितना पवित्र, संघर्षशील तथा निष्कलंक था, उनकी मृत्यु 'बलिदान' भी उतनी ही वीरोचित थी। धन्य है वह वीरांगना जिसने एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत कर 1857 के भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अंग्रेजों से लोहा लेते हुये 20 मार्च 1858 को अपने प्राणों की आहुति दे दी।

वीरांगना अवंतीबाई लोधी को 196वीं जयंती पर नमन् करने वालों में मुख्य रूप से जावेद पिण्डारी, राहुल सिंह, प्रशान्त यादव, दिनेश तिवारी, राजेश यादव, मधुबन यादव, यदुराम यादव, युनुस आलम, दाउद खान, डा. देवेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, पूर्व विधायक राम जियावन, तूफानी यादव, जोखूलाल, बब्लू, दुर्गेश यादव, रजवन्त यादव, रामभवन यादव, अरविन्द यादव, अशोक यादव, चन्द्रभान, अखिलेश यादव, दीपक आर्या, राजू चौहान, नन्दलाल यादव, जुनैद अहमद, शकील अंसारी, लालमन यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 अगस्त 2026 सोमवार

## सम्पादकीय

### लाल किले से प्रधानमंत्री का संदेश

लाल किले की प्राचीर से लगातार 13वीं बार राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जो कुछ कहा और जिन नए कार्यक्रमों की घोषणा की, उनसे देश को विकसित बनाने की उनकी प्रतिबद्धता ही प्रकट होती है। इस अवसर पर उन्होंने जिस तरह देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का भी उल्लेख किया, उससे यह पता चलता है कि समस्याओं का  समाधान उनकी प्राथमिकता में है। ऐसा होना भी चाहिए, लेकिन यही प्राथमिकता केंद्रीय सत्ता के प्रशासन की भी होनी चाहिए।

इतना ही नहीं, इस मामले में राज्य सरकारों को भी केंद्र सरकार के साथ सहयोग करना होगा। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि केंद्र सरकार की अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकारों और उनके प्रशासन की महती भूमिका होती है। देश को विकसित बनाने का लक्ष्य तब पूरा होगा, जब केंद्र और राज्य एक टीम की तरह काम करेंगे। अभी कई बार इसका अभाव दिखता है।

देश को विकसित बनाने के लिए केवल यह आवश्यक नहीं कि समस्याओं की सही तरह पहचान हो। आवश्यक यह भी है कि उनके समुचित समाधान के तौर–तरीके विकसित किए जाएं। ऐसा तब होगा, जब सरकारी योजनाओं के अनुपालन में विश्वस्तरीय मानकों और गुणवत्ता को अपनाया जाएगा। अभी ऐसा नहीं हो पा रहा है और इसीलिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं अपेक्षित नतीजे नहीं दे पा रही हैं।

इस बार लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने जो घोषाणाएं कीं, उनमें प्रमुख हैं एक करोड़ युवाओं को एआई का प्रशिक्षण देना और छात्रों को ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराना। ये दोनों पहल सराहनीय और समय की मांग के अनुरूप हैं, लेकिन क्या सरकारी कोचिंग निजी कोचिंग संस्थानों के दबदबे को कम कर पाएगी? प्रश्न यह भी है कि कहीं युवाओं को दिए जाने वाले एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम का हश्र कौशल विकास जैसा तो नहीं होगा?

लाल किले से प्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों को लेकर शक्ति की सप्तधारा का जो उल्लेख किया, वह एक तरह से विकसित भारत के लक्ष्य को पाने का खाका है। इसका उद्देश्य देश की क्षमता का पूरा उपयोग करना है। सप्तधारा की पहली शक्ति मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता, दूसरी शक्ति कृषि एवं खाद्य उत्पादन, तीसरी शक्ति प्रौद्योगिकी एवं नवाचार और चौथी शक्ति गति शक्ति है। इसका आशय कनेक्टिविटी से है।

सप्तधारा की पांचवीं शक्ति रक्षा शक्ति, छठी शक्ति ग्रीन इकोनॉमी–ब्लू इकोनॉमी और सातवीं शक्ति देश की साफ्ट पावर है। इन सभी शक्तियों को बल तब मिलेगा, जब उनके इस्तेमाल में समाज के हर हिस्से की हिस्सेदारी होगी। इससे ही असमान विकास की समस्या का निदान होगा। अच्छा होगा कि इन शक्तियों का उपयोग नैतिक बल के साथ किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

### इंटरनेट मीडिया, प्रदर्शन और सरकार

केंद्र सरकार ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मातृ कंपनी मेटा को तलब किया है और उसके वरिष्ठ अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। सार्वजनिक रूप से, इसकी वजह भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक वीडियो संदेश को कुछ समय के लिए हटाया जाना है। हालांकि, सरकार अपने इस इरादे को छिपा नहीं रही है कि वह मेटा पर दबाव डालकर जंतर–मंतर जैसे विरोध–प्रदर्शनों से जुड़ी पोस्ट को दबाना चाहती है। 'टेकडाउन नोटिसों' की बौछार ने विरोध–प्रदर्शन के कुछ सबसे खास रूपों को पहले ही हटा या दबा दिया है। इंस्टाग्राम रील्स, देश में मास मीडिया के सबसे असरदार जरिया में से एक बनकर उभरी हैं। इसमें उपयोगकर्ताओं को स्वचालित तरीके से सुझाई गई अलग–अलग सर्जकों की पोस्ट देखने को मिलती हैं। ऐसे मंच पर राजनीतिक बातचीत को दबाने की कोशिश भारत को पाकिस्तान जैसी स्थिति में डाल देगी। वहां 2021 में 'टिकटॉक' पर तबतक के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था जब तक कि वह "अनैतिकध्अश्लील कंटेंट को नियंत्रित करने" के लिए सहमत नहीं हो गया। इससे भी जरूरी बात यह है कि इस कदम से भारत काफी कुछ चीन के कड़े नियंत्रण वाले डिजिटल इकोसिस्टम जैसा बन जाएगा, जहां विरोध की हर आवाज कुछ ही मिनटों में दबा दी जाती है। भारत के साइबरस्पेस को उस स्थिति में पहुंचने से रोकने वाली एकमात्र चीज शायद वास्तविक समय में पोस्ट की जांच करने की क्षमता की कमी है  यह एक ऐसी "समस्या" है, जिसका एआई–आधारित विनाशकारी समाधान आसानी से निकाला जा सकता है।

पिछले कुछ हफ्तों में लामबंदी का मुख्य केंद्र होने के बावजूद, मेटा प्रतिरोध का कोई गढ़ नहीं है। बीते कई महीनों में, जब भी इसे किसी पोस्ट को हटाने के लिए कहा गया, तो इसने बेजरूरत ही सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 79(3)(बी) के तहत इंगित की गई हर पोस्ट को हटा दिया। यह सेंसरशिप का एक ऐसा तरीका है जिसमें प्लेटफॉर्म को बस इतना बताया जाता है कि रिपोर्ट करने वाली एजेंसी को लगता है कि इंगित किया गया कंटेंट गैर–कानूनी है। इस धारा के तहत हटाए गए पोस्ट के मामले में शायद ही कभी अदालत का रुख किया जाता है, फिर भी मेटा ने हमेशा बिना किसी सवाल–जवाब के इन आदेशों का पालन करना ही चुना है। इससे बांह मरोड़ने की उस प्रक्रिया की नींव पड़ गई है, जिसे सरकार अपनाती हुई दिख रही है। चीन में बड़े पैमाने पर सेंसरशिप को मुमकिन बनाने वाले हालात, इंटरनेट के विस्तार से पहले के दशकों में ही तैयार हो गए थे। उन स्थितियों और नियंत्रण को केंद्रित करने की घोषित वैचारिक प्रतिबद्धता वाली एक–दलीय व्यवस्था की गैरहाजिरी में, इंटरनेट को काबू में नहीं किया जा सकता। लेकिन लोगों की अपनी संस्कृति के बारे में सोच को गलत तरीके से बदलना समाज के लिए नुकसानदेह है और इसे रोका जाना चाहिए। अगर इन बेरहम उपायों को बेलगाम छोड़ दिया गया, तो आने वाली सरकारें इनका इस्तेमाल कर सकती हैं। मौजूदा निजाम ने विरोध–प्रदर्शनों और उनके साथ बने ऑनलाइन माहौल से गलत सबक लिया है। जन–लामबंदी लोकतंत्र की जीवन–शक्ति है, न कि कोई ऐसी असाधारण घटना जिसे दोहराया न जाए।

# यह कैसी भक्तिः कूडे से पट गया हरिद्वार

**–अभिनव आकाश–**

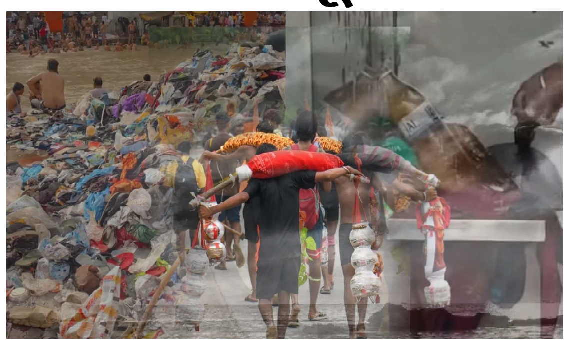

भारत का कैलेंडर 12 महीने उनमें से एक महीना सावन मोटा–मोटी बारिश का महीना तभी तो इस पर गाना भी बना है सावन का महीना पवन करे शोर। सावन का महीना भगवान शिव का महीना माना जाता है इसलिए इस महीने शिवभक्त निकलते हैं एक यात्रा पर। 28 दिन की यात्रा यानि 4 हफ्ते में चार सोमवार सोमवार के व्रत की कोशिश रहती है कि उनकी यात्रा मंडे के दिन शिव मंदिर पहुंचे सावन के सोमवार को कावड़ यात्रा सबसे ज्यादा एक्टिव रहती है।  लेकिन इतनी बड़ी धार्मिक यात्रा का असर सिर्फ घाटों और सड़कों पर दिखने वाली भीड़ तक सीमित नहीं रहता। कुछ ही दिनों के लिए किसी भी शहर की पॉपुलेशन अचानक कई गुना बढ़ जाए तो उसके रोड्स, पार्किंग, टॉयलेट, सैनिटेशन और वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम हर चीज की कैपेसिटी टेस्ट होती है। 30 जुलाई 2026 से शुरू हुई इस साल की कावड़ यात्रा 11 अगस्त को खत्म हुई। करीब 14 दिनों तक हरिद्वार में करोड़ों कावड़ यात्री पहुंचे और उनके लौटने के बाद शहर के सामने अब एक नई चुनौती हजारों टन वेस्ट को साफ करना है। सावन में 4 करोड़ शिव भक्त हरिद्वार पहुंचे थे। मतलब एक छोटा सा कुंभ। गंगा जी से जल लेने। घाट पर कमरे बने थे माताओं बहनों के कपड़े बदलने के लिए। जब सफाई की गई तो उसके अंदर जानते हैं क्या निकला? पेशाब भरी बोतलें। अब हरकी पैड़ी पर जो लोग झाड़ू लेकर वहां सफाई कर रहे हैं, कूड़े के पहाड़ को दिखा रहे हैं। हमें उनके दुख दर्द को भी समझना पड़ेगा। हालत यह हो गई कि निगम के अपने कर्मचारी कम पड़ गए। इतना कूड़ा था। हजार कर्मचारी बाहर से बुलाने पड़े।

कुछ मान्यताओं के अनुसार भगवान राम पहले कावड़िया थे उन्होंने बिहार के सुल्तानगंज से कांवड़ में गंगाजल भर बाबाधाम यानि बैजनाथ में शिवलिंग का जलाभिषेक किया था पुराणों में यह कहानी भी आती है कि समुद्र मंथन से निकले विष को जब भगवान शिव अपने कंठ में धारण कर लिया तो उसके प्रभावों को दूर करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया तभी से गंगाजल लाकर सावन में शपथ समर्पित करने का ऑपरेशन शुरू हुआ। एक अन्य कहानी ये भी है कि शिव भक्त रावण ने विशेष शिव को राहत देने के लिए कांवड़ में जल भरकर पर जो कि यूपी में है के पुरा महादेव शिवमंदिर में शिवजी का जलाभिषेक किया इसके बाद कावड़ यात्रा की शुरुआत हुई तीसरी कहानी कुछ जगह वाले कहानी रिपीट होती है मगर करता के व्यक्ति के साथ मंदिर और जल चढ़ाना सेम लेकिन रावण की जगह पर उस राम जो जलाभिषेक के लिए गढ़मुक्तेश्वर में बह रही गंगा नदी से जल लाए। एक कहानी त्रेता युग वाली कहानी भगवान राम वाला यह होता है तथा योग उसमें अपने दृष्टिहीन माता–पिता को तीर्थ यात्रा कराने के लिए श्रवण कुमार हिमाचल के ऊना क्षेत्र से मायापुर हरिद्वार में गंगा स्नान करवाने लाइफ है इसके लिए उन्होंने एक कावड़ बनाई और अपने माता–पिता को उसमें बिठाया माता–पिता को स्नान करवाने के बाद वापसी में अपने साथ गंगा जल ले आए यहीं से कावड़ यात्रा की शुरुआत हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल करीब 4.8 करोड़ कावड़ यात्री हरिद्वार पहुंचे। वहीं यात्रा खत्म होने के बाद करीब 7000 से 8000 मेट्रिक टन वेस्ट होने की बात सामने आई है। अब सवाल यह है कि आखिर इतना कचरा आया कहां से? क्या इसका एक बड़ा कारण किसी शहर की कैपेसिटी से कई गुना ज्यादा लोगों का कुछ ही दिनों में वहां पहुंचना है या फिर इसमें लोगों के सिविक सेंस की भी भूमिका है? अगर पिछले कुछ सालों का डाटा देखें तो हरिद्वार में कावड़ यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ी है। 2023 में करीब 4.07 करोड़, 2024 में 4.14 करोड़ और 2025 में करीब 4.52 करोड़ कावड़ यात्री यहां पहुंचे थे। इस साल यह संख्या बढ़कर करीब 4.8 करोड़ बताई जा रही है। यानी फुटफॉल लगातार बढ़ रहा है और जैसे–जैसे फुटफॉल बढ़ता है, वैसे–वैसे शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रेशर भी बढ़ता है। इस साल के वेस्ट आंकड़े को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में अलग–अलग नंबर्स मिलते हैं। इंडिया टुडे ने म्यनिसिपल ऑफिशियल के हवाले से करीब 7000 मेट्रिक टन वेस्ट कलेक्ट होने की बात कही है। वहीं टाइम्स ऑफ इंडिया ने हरिद्वार म्यनिसिपल कॉरपोरेशन के नंदन कुमार के हवाले से करीब 8000 मेट्रिक टन वेस्ट कलेक्ट होने की रिपोर्ट की है। 8000 मेट्रिक टन कचरा यानी करीब 80 लाख किलो कचरा। नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा यानी एनएमसीजी के वेस्ट मैनेजमेंट फ्रेमवर्क में भी सोर्स सेग्रगेशन, कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन और डेजिग्नेटेड डिस्पोजेबल पर जोर दिया गया है। लेकिन इस साल की कावड़ यात्रा के दौरान कलेक्ट हुए करीब 7000 से 8000 टन वेस्ट का कितना हिस्सा रिसाइकल हुआ, कितना प्रोसेस हुआ और कितना डिस्पोजल के लिए भेजा गया, इसका डिटेल ब्रेकअप फिलहाल पब्लिक नहीं किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक क्लीनअप के दौरान बड़ी मात्रा में प्लास्टिक शीट्स, डिस्कारेड और गंदे कपड़े, प्लास्टिक बॉटल्स, स्लीपर्स और कुछ दूसरे तरह का कचरा मिला। कुछ रिपोर्ट्स में फूड वेस्ट और रोटन फूड का भी जिक्र है। वहीं कुछ चेंजिंग रूम्स में ऐसी बॉटल्स मिलने की बात सामने आई जिन्हें रिपोर्ट्स में यूरिन कंटेनिंग बॉटल्स बताया गया है। यानी यहां सिर्फ प्लास्टिक का कचरा नहीं था। लोगों के इस्तेमाल के बाद छोड़े गए कपड़े, फुटवेयर, बॉटल्स, खानेपीने से जुड़ा वेस्ट और दूसरी डिस्कारेड चीजें भी क्लीन अप का हिस्सा थी। कुछ जगहों पर यह कचरा सिर्फ रोड्स या मार्केट तक सीमित नहीं था। यानी जिस इलाके में इतनी बड़ी संख्या में लोग कुछ दिनों तक लगातार आते–जाते रहे, वहां हर तरफ सैनिटेशन सिस्टम पर प्रेशर पड़ा। हरिद्वार म्यनिसिपल कॉरपोरेशन के मुताबिक इस वेस्ट में प्लास्टिक शीट्स, डिस्कारेड कपड़े और दूसरे मटेरियल शामिल थे और सफाई पूरे कावड़ मेला एरिया में की गई थी।

हम मां गंगा कहते हैं और उसी के किनारे पन्नी फेंकते, कपड़ा फेंकते, कूड़ा कचरा, खाने, टिफिन, चप्पल। यह भक्ति नहीं हो सकती है। यहां पर फिर यह संदेह उठता है कि यह गलत हरकत क्यों है? और यह हमें सिखाया क्यों नहीं जाता कि हमें अपनी मां गंगा को गंदा नहीं करना है। और यह पहली बार नहीं हुआ है। पिछले साल भी मेले के बाद करीब इतना ही कूड़ा यहां पर था 7000 टन। उसके पहले भी यही था। यानी यह इस बार हुआ हादसा नहीं है। यह हमारे यहां हर साल का रिवाज बन गया है।

फीफा विश्व कप 2026 में जापान ने अपना पहला मुकाबला नीदरलैंड्स के खिलाफ खेला। ग्रुप एफ का यह मुकाबला 2–2 से ड्रॉ रहा। नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच की आखिरी सीटी बजने बाद जापान के फैंस ने स्टैंड्स में मौजूद कचड़ा उठाना शुरू कर दिया। बाहर निकलने से पहले ब्लू बैग में फैंस ने वहां मौजूद कचड़ा उठा लिया। सोशल मीडिया इसका फोटो और वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस काम के लिए दुनिया भर में जापान की तारीफ हुई। मतलब जापान में थैली लेकर आते हैं कि अपना कचरा समेटेंगे और वो तो मैच देखने गए थे। कोई पूजा पाठ करने नहीं आते। लेकिन हम और आप मां गंगा से आशीर्वाद लेने आते हैं। उसके बाद भी वहां कचरा फैला कर आते हैं। याद कीजिए 2019 का प्रयागराज कुंभ करोड़ों लोग आए और उसी कुंभ में प्रधानमंत्री ने झुककर सफाई कर्मियों के पैर छुए थे। क्यों? क्योंकि वह सफाई का मतलब समझ रहे थे। यह समझना पड़ेगा कि शिव भी कौन थे भगवान भोलेनाथ कौन थे आप कथा याद कीजिए मां गंगा आसमान से उतरी पूरी की पूरी पूरे वेग से धरती कांप जाती संभाला किसने था भगवान शिव ने जटा में एक बूंद नीचे नहीं गिरने दी समुद्र मंथन में जहर निकला कोई नहीं पी रहा था वह भी भगवान शिव ने संभाला कंठ में रख लिया। यानी भगवान भोलेनाथ की पूरी कहानी संभालने की है। और हम और आप शिव जी के भक्त। हम अपनी पन्नी नहीं संभाल पाते, टिफिन नहीं संभाल पाते, अपने कपड़े नहीं संभाल पाते और पेशाब करके बोतल रख दिए गए। जिस गंगा से करोड़ों लोग आस्था के साथ जल लेने आते हैं, उसके किनारे कचरा ना छोड़ना भी उसी आस्था और जिम्मेदारी का हिस्सा होना चाहिए। क्योंकि इतनी बड़ी गैदरिंग्स को संभालने के लिए सिर्फ ज्यादा रोड्स, ज्यादा टॉयलेट्स या ज्यादा सैनिटेशन वर्कर्स नहीं चाहिए। एक तरफ मजबूत प्लानिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए तो दूसरी तरफ रिस्पांसिबल पब्लिक बिहेवियर।

अब कूड़े को ज्वालापुर स्थित सराय में कूड़ा ट्रीटमेंट प्लांट में रीसाइकिल के लिए भेजा जा रहा है। यहां से कूड़ा अलग–अलग करके आगे प्राइवेट कंपनियों को बेचा जाएगा और कुछ के कपड़े बनाए जाएंगे। नगर निगम दिन–रात अभियान चलाकर सफाई में जुटा है। सफाईकर्मियों का समूह सबसे पहले घाटों पर सफाई कर रहा है। पिछले साल करीब 4 करोड़ 52 लाख कांवड़िए जल लेकर गए थे। तब 8 हजार मीट्रिक टन कूड़ा गंगा घाटों से हटाया गया था। नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत और सभी ग्राम पंचायतों के अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाने के आदेश दिए गए हैं। नियमित कर्मचारियों के अलावा 1000 आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों और 80 से ज्यादा वाहनों को कूड़ा परिवहन में लगाया गया।

# विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन

**–ललित गर्ग–**

12 अगस्त 2026 का दिन भारतीय संसद के लिए इसलिए महत्वपूर्ण रहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एफसीआरए विधेयक को लोकसभा ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति– जेपीसी के पास भेज दिया। यह फैसला केवल एक विधेयक को संसदीय प्रक्रिया के अगले चरण में भेजना नहीं है, बल्कि उस व्यापक बहस का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी धन की पारदर्शिता, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता, नागरिक समाज की भूमिका और लोकतांत्रिक अधिकार–सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने से  सरकार और विपक्ष के बीच तत्काल टकराव को कुछ हद तक विमर्श में बदलने का अवसर मिला है। एफसीआरए का इतिहास भी इस बहस की गंभीरता को समझने में मदद करता है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की आशंकाओं को देखते हुए 1976 में पहली बार  कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में इसे नए एफसीआरए कानून से प्रतिस्थापित किया गया और उसके बाद 2020 सहित विभिन्न चरणों में इसके प्रावधान अधिक कठोर होते गए। आज यह कानून केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का लेखा–जोखा रखने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

आंकड़े इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहां, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है–क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अनियमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में 'नामित प्राधिकरण' की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियां पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियां स्थायी रूप से निहित की जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है। बिक्री से प्राप्त राशि और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान भारत की समेकित निधि में जमा किए जाने का प्रस्ताव है।

भारत में समय–समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं अथवा राष्ट्रीय हित से टकराने वाली गतिविधियों को लेकर सवाल उठे हैं। इसलिए एफसीआरए का मूल उद्देश्य–विदेशी अंशदान को पारदर्शी, उत्तरदायी और वैध उद्देश्यों तक सीमित रखना–न तो अनुचित है और न ही लोकतंत्र विरोधी। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता और प्रशासनिक शक्ति के विस्तार के बीच एक स्पष्ट रेखा भी होनी चाहिए। यही इस विधेयक की असली परीक्षा है। यदि किसी संस्था ने विदेशी धन का इस्तेमाल आतंकवाद, हिंसा, अलगाववाद, जबरन या प्रलोभन आधारित धर्मांतरण, राजनीतिक अस्थिरता अथवा भारत की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में किया है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। राष्ट्रहित में ऐसी कठोरता आवश्यक है। मगर दूसरी ओर यदि कोई संस्था अस्पताल चला रही है, गरीबों के लिए शिक्षा उपलब्ध करा रही है, पर्यावरण संरक्षण कर रही है, महिलाओं और बच्चों के लिए काम कर रही है अथवा प्राकृतिक आपदा में राहत पहुंचा रही है, तो केवल तकनीकी या प्रक्रियागत चूक के कारण उसके वर्षों के सामाजिक कार्य और विदेशी अंशदान से निर्मित परिसंपत्तियों पर तत्काल  सरकारी नियंत्रण स्थापित हो जाना चिंता का विषय बन सकता है। यही कारण है कि जेपीसी के पास जाना इस विधेयक के लिए एक सकारात्मक अवसर है। संसद में बहुमत से कानून पारित करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन जिन कानूनों का प्रभाव हजारों संस्थाओं, लाखों लाभार्थियों और देश के व्यापक नागरिक समाज पर पड़ता हो, उनकी बारीकी से जांच लोकतंत्र को मजबूत करती है। जेपीसी में विपक्ष अपनी आपत्तियां रख सकता है, सरकार अपने तर्क स्पष्ट कर सकती है और विधि विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, वित्तीय विशेषज्ञों तथा सुरक्षा एजेंसियों के अनुभवों को भी सामने लाया जा सकता है।

विधेयक में एक महत्वपूर्ण संतुलनकारी प्रावधान यह भी है कि धार्मिक स्थल की धार्मिक प्रकृति को बनाए रखना अनिवार्य होगा। नामित प्राधिकरण किसी ऐसे स्थल को दूसरे उद्देश्य में बदल या उसकी धार्मिक प्रकृति समाप्त नहीं कर सकेगा। इसके अलावा प्रभावित संस्था को 90 दिनों के भीतर पुनरीक्षण का अधिकार और जिला न्यायाधीश के समक्ष अपील का प्रावधान दिया गया है। सरकार ने यह भी बताया है कि पंजीकरण बहाल होने पर अस्थायी रूप से निहित संपत्तियां और अप्रयुक्त धन वापस किए जाएंगे। ये प्रावधान स्वागत योग्य हैं, लेकिन सवाल यह रहेगा कि इन अधिकारों की वास्तविक स्वतंत्रता और प्रक्रिया कितनी प्रभावी होगी।

# 'हमें चाहिए आजादी' जैसे नारों के  प्रश्न!

**–कमलेश पाण्डेय–**

हमारे देश में जब "हमें चाहिए आजादी" जैसे नारे लगते हैं, तो राजनीतिक, प्रशासनिक और न्यायिक खामोशी के बीच कई सुलगते सवाल भी पैदा होते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि हमारे प्रधानमंत्री लाल किले के प्राचीर से प्रशासन और न्यायपालिका को यह संदेश दें कि राजनीति और राष्ट्रनीति में तफरका स्थापित करने में कार्यपालक प्रशासन के स्थायित्व की बहुत बड़ी भूमिका और जिम्मेदारी दोनों है। वह इसे बखूबी निभाए।

इसलिए राष्ट्रनीति को राजनीति से ऊपर रखने की व्यवस्था विदेश नीति की भांति ही हो, अन्यथा आने वाली पीढ़ियां कार्यपालक प्रशासन के स्थायित्व पर भी सवाल उठाने से नहीं हिचकेंगी। यही नहीं, इनके जातीय, धार्मिक और भाषाई मिजाज पर भी गौर करने की जरूरत है, अन्यथा "हमें चाहिए आजादी" जैसे नारे लगते रहेंगे, राष्ट्रद्रोही तत्व फलते–फूलते रहेंगे और एक दिन भारत माता को भी असमय दम तोड़ना पड़ेगा, क्योंकि पाकिस्तान परस्त इस्लामिक देशों के ख्वाब भी यही हैं, जिन्हें अमेरिका–चीन दोनों के शह हासिल हैं।

अलबत्ता, "हमें चाहिए आजादी" जैसे नारों के सामने कई ऐसे यक्ष प्रश्न खड़े होते हैं, जिनका उत्तर केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक अधिकारों की कसौटी पर देना होगा।

मसलन, 15 अगस्त पर "हमें चाहिए आजादी" सुनकर हमें केवल नाराज या उत्तेजित होने के बजाय यह पूछना चाहिए किआजादी की मांग के पीछे पीड़ा है, राजनीतिक असहमति है, विचारधारा है या कोई हिंसक, अलगाववादी परियोजना? क्योंकि हर असहमति देशद्रोह नहीं होतीकृऔर हर देशद्रोही साजिश केवल असहमति भी नहीं होती।

राजनीतिक दलों को विरोध और असहमति का अधिकार है। वे सरकार की नीतियों के खिलाफ आंदोलनों का समर्थन भी कर सकते हैं। लेकिन समर्थन की भी एक संवैधानिक सीमा है। यदि किसी आंदोलन में केवल "व्यवस्था से आजादी", सामाजिक न्याय, रोजगार, भ्रष्टाचार या किसी नीति के विरोध की मांग है, तो उसे समर्थन देना लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा हो सकता है। लेकिन यदि किसी संगठन या आंदोलन का वास्तविक उद्देश्य हिंसा, आतंकवाद, अलगाववाद या भारत की संप्रभुता और अखंडता को कमजोर करना है, तो राजनीतिक लाभ के लिए उसका समर्थन करना बेहद गंभीर विषय होगा। दूसरी ओर, संदिग्ध गतिविधियों को केवल "राजनीतिक विरोध" कहकर छोड़ देना। सही रास्ता है इंटेलिजेंस, साक्ष्य और कानून के आधार पर कार्रवाई। नारे के पीछे कौन है, धन कहाँ से आ रहा है, संगठन की गतिविधियां क्या हैं, हिंसा या आतंकी नेटवर्क से कोई संबंध है या नहींकृइनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। न्यायपालिका का काम किसी विचारधारा का पक्ष लेना नहीं, बल्कि संविधान और कानून की कसौटी पर राज्य की कार्रवाई तथा नागरिक के अधिकार दोनों की जांच करना है। इसलिए अदालत को यह देखना चाहिए कि क्या केवल असहमति या नारा है? या क्या उसके साथ हिंसा, उकसावा, आतंकवादी गतिविधि अथवा वास्तविक अलगाववादी कार्रवाई का प्रमाण भी है? यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है।

# ट्रेन से शराब तस्करी को लेकर बड़ी कार्रवाई, वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन कोच अटेंडेंट को किया गिरफ्तार

**संवाददाता—गोण्डा।** पूर्वोत्तर रेलवे की लखनऊ मंडल की नारकोटिक्स टास्क टीम ने गोंडा रेलवे सुरक्षा बल के सहयोग से आज रविवार दोपहर 1 बजे बड़ी कार्रवाई की है। दोनों टीमों ने वैशाली एक्सप्रेस के एक कोच अटेंडेंट को ट्रेन से शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 23,000 रुपये मूल्य की 144 बोतल शराब बरामद हुई है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान दरभंगा, बिहार निवासी अशोक कुमार पोदार के रूप में हुई है। उसे रविवार दोपहर 1 बजे कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए गोंडा रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। वह यह शराब वैशाली एक्सप्रेस के माध्यम से बिहार ले जा रहा था, जहाँ शराबबंदी के कारण इसे ऊँचे दामों पर बेचा जाना था।

यह कार्रवाई लखनऊ मंडल की नारकोटिक्स टास्क टीम और गोंडा रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संयुक्त रूप से की गई। टीम ट्रेन संख्या 15566 में मैजापुर गोंडा—गोंडा रेलवे स्टेशन के बीच चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान कोच संख्या बी–3 से 144 बोतल शराब बरामद हुई।

मौके पर मौजूद कोच अटेंडेंट अशोक कुमार पोदार से पूछताछ करने पर उसने शराब छिपाने और बिहार में अधिक कीमत पर बेचने के लिए तस्करी करने की बात स्वीकार की। गोंडा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर पहुंचने के बाद, गोंडा रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार राय और उनकी टीम ने अशोक कुमार पोदार को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गोंडा रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार राय ने बताया कि शराब तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब तक कई तस्करों को जेल भेजा जा चुका है और यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। गोंडा होकर के जितने भी बिहार ट्रेन जा रही है सभी ट्रेनों में लगातार हम लोगों द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है अब तक कई लोगों को हम लोग गिरफ्तार करके जेल भेज चुके हैं। इससे साथ ही साथ 500 बोतल से अधिक कब तक हम लोग अलग–अलग शराब भी बरामद कर चुके हैं।

## सांप के डसने से 4 साल के बच्चे की मौत

**संवाददाता—बहराइच।** रविवार सुबह 7 बजे आंगन में लेटे 4 साल के मासूम को सांप ने डस लिया। बच्चे की चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला रामगांव थाना क्षेत्र का है। आसमानपुर गांव निवासी संजीत सिंह का 4 साल का बेटा राकेश सिंह रविवार सुबह घर के आंगन में लेटा हुआ था। इसी दौरान अचानक सांप ने उसके हाथ पर डस लिया।

## सीएम योगी से मिले कैसरगंज सांसद करण भूषण, ढेमवाघाट पुल का टेंडर जल्द पूरा कराने की मांग

**संवाददाता—गोण्डा।** कैसरगंज से भाजपा सांसद करण भूषण सिंह ने रविवार दोपहर लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। बृजभूषण शरण सिंह के केस से बरी होने के बाद करण भूषण की मुख्यमंत्री से यह पहली मुलाकात बताई जा रही है। इस दौरान सांसद ने ढेमवाघाट पुल के निर्माण की टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी कराने और कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में सड़कों के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपे। सांसद करण भूषण सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि ढेमवाघाट पुल के निर्माण को लेकर आईआईटी रुड़की की रिपोर्ट आ चुकी है। उन्होंने रिपोर्ट के आधार पर पुल के निर्माण की बची हुई प्रक्रिया जल्द पूरी कराने और टेंडर जारी कर निर्माण कार्य शुरू कराने का आग्रह किया। करण भूषण सिंह के मुताबिक, वह इस पुल के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री से पहले भी पांच से अधिक बार मुलाकात कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि पुल का निर्माण रिपोर्ट के इंतजार में रुका हुआ था। अब रिपोर्ट आने के बाद उम्मीद है कि बची हुई प्रक्रियाएं जल्द पूरी होंगी और निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। करण भूषण सिंह ने कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न सड़कों के निर्माण को लेकर भी मुख्यमंत्री को कई मांग पत्र सौंपे। उन्होंने क्षेत्र की जरूरतों और प्रस्तावित सड़कों की जानकारी मुख्यमंत्री के सामने रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांसद को आश्वासन दिया कि मांग पत्रों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सड़कों के निर्माण से संबंधित प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने गोंडा क्षेत्र में घाघरा नदी के बढ़ते जलस्तर की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। सांसद करण भूषण सिंह ने करनैलगंज और तरबगंज क्षेत्रों में नदी से हो रहे कटान की समस्या से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि नदी का जलस्तर बढ़ने और कटान के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की स्थिति पर नजर रखने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुलाकात के बाद करण भूषण सिंह ने कहा कि ढेमवाघाट पुल का निर्माण आईआईटी रुड़की की रिपोर्ट के इंतजार में रुका हुआ था। अब रिपोर्ट आ चुकी है और बची हुई प्रक्रियाएं लगभग पूरी हो गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुल का निर्माण जल्द शुरू होगा और अगले साल बाढ़ के दौरान क्षेत्र के लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

## पीएचसी में लगा स्वास्थ्य मेला, मरीजों की जांच कर दिया उपचार और परामर्श

**संवाददाता—देवरिया।** न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडीह परिसर में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में क्षेत्र के ग्रामीणों और मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। चिकित्सकों और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मरीजों की जांच कर उनकी बीमारी के अनुसार उपचार और जरूरी चिकित्सकीय परामर्श दिया। जरूरत के अनुसार मरीजों को दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और बीमारियों से बचाव के उपाय अपनाने के लिए जागरूक किया। स्वास्थ्य मेले में पहुंचे मरीजों की चिकित्सकों ने जांच की। मरीजों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद उनकी बीमारी और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार उपचार और परामर्श दिया गया। स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को किसी भी बीमारी के लक्षण दिखने पर समय से जांच कराने की सलाह दी। मेले के दौरान ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने बताया कि समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से कई बीमारियों की पहचान शुरुआती स्तर पर की जा सकती है। लोगों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए प्रेरित किया गया। चिकित्सकों ने ग्रामीणों को स्वस्थ रहने के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी। इसके साथ ही साफ–सफाई रखने और बीमारियों से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां बरतने के बारे में बताया गया। मरीजों को उनकी जरूरत के अनुसार दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्यकर्मियों ने केंद्र और राज्य सरकार की ओर से संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से पात्र लोगों को कई स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक रहने की अपील की गई। स्वास्थ्य मेले के आयोजन से आसपास के ग्रामीणों को घर के नजदीक ही स्वास्थ्य सेवाएं मिल गईं।

## अटल की पुण्यतिथि पर भाजपाइयों ने किया नमन

**संवाददाता—कुशीनगर।** पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय राजनीति के प्रमुख व्यक्तित्व अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि रविवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। रविंद्र नगर धूस स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान वक्ताओं ने वाजपेयी के राजनीतिक जीवन, राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन के प्रति उनके योगदान को याद किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के नेतृत्व में आयोजित किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान उनके जीवन और राजनीतिक योगदान को याद करते हुए राष्ट्रहित में उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकतंत्र की गरिमा और राष्ट्रहित को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया। उन्होंने राजनीति में विचारों और सिद्धांतों की महत्ता को बनाए रखा। उनके व्यक्तित्व और कार्यशैली ने भारतीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति में रहते हुए हमेशा देशहित को प्राथमिकता दी। उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के साथ भारत को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, ईमानदारी और सुशासन की मिसाल है। दुर्गेश राय ने वाजपेयी के सरल व्यक्तित्व और प्रभावशाली वक्तृत्व शैली को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अटल जी के भाषणों में राष्ट्र के प्रति चिंता, संवेदना और दूरदृष्टि दिखाई देती थी। उनके विचार आज भी भाजपा कार्यकर्ताओं और देशवासियों को प्रेरणा देते हैं।

# श्रीरामनगरी में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। श्रीरामनगरी अयोध्या में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। विभिन्न शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और सेवा संस्थानों में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान हुआ। इस दौरान लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लिया।हनुमानगढ़ी परिसर स्थित श्री हनुमत संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रधानाचार्य डॉ. महेश दास ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के बाद उन्होंने कहा कि देश को स्वतंत्रता अनेक वीरों के बलिदान के बाद मिली है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्रहित और सर्वसमाज के कल्याण के लिए कार्य करे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हमें संकल्प लेना चाहिए कि देश में अराजकता नहीं फैलने देंगे और आपसी एकता व भाईचारे को मजबूत बनाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि तिरंगा यात्राओं से राष्ट्रप्रेम और देश की आन–बान–शान का संदेश जन–जन तक पहुंच रहा है।इस अवसर पर पूर्व विभागाध्यक्ष त्रियुगी दास, शैलेश सिंह, अनीता पांडेय, शिक्षक कृष्णानंद उपाध्याय, बालमुकुंद मिश्र, रामानंद, विनोद पांडेय, नीरज त्रिपाठी, आयुष सहित बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक और संत–महंत उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वाद–विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। अंत में विद्यार्थियों को मिष्ठान वितरित किया गया।श्री राजगोपाल संस्कृत महाविद्यालय में भी स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानाचार्य ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के बाद विद्यार्थियों को स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्र के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सर्वेश्वर दास महाराज ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने देश की स्वतंत्रता के लिए बड़ी कुर्बानी दी है। स्वतंत्रता और राष्ट्र की एकता को अक्षुण्ण रखना हम सभी का कर्तव्य है। शिक्षक, छात्र और अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन मिष्ठान वितरण के साथ हुआ।श्रीनिवास पीठम सेवा संस्थान के अध्यक्ष आचार्य धर्मेंद्र स्वामी ने कार्यालय में ध्वजारोहण कर मिष्ठान वितरित किया। उन्होंने देशवासियों को एकता, भाईचारे और प्रेम का संदेश दिया।श्री सेवा संस्थान अयोध्या के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोषानंद त्रिपाठी ने राष्ट्रीय कार्यालय, श्रीराम जानकी विहार कुंज, छोटी देवकाली रोड, तुलसी नगर में ध्वजारोहण किया। उन्होंने देश की उन्नति और समृद्धि के लिए सभी से प्रार्थना करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अवधेश दास, संरक्षक शैलेंद्र मणि पांडेय, महासचिव ओंकार नाथ पांडेय, सचिव बृजेंद्र श्रीवास्तव, प्रवक्ता रमाशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, अजय सिंह, संतोष द्विवेदी, शिवशंकर सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

# घाघरा फिर उफान पर, खतरे के निशान से 4 सेमी ऊपर

**संवाददाता—गोण्डा।** घाघरा नदी का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ रहा है। रविवार सुबह 9 बजे एल्गिन ब्रिज पर नदी खतरे के निशान से 4 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गई। बीते 24 घंटे में जलस्तर 17 सेंटीमीटर बढ़ा है। नदी के उफान पर आने से तटीय इलाकों में कटान शुरू हो गया है और बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। घाघरा के बढ़ते जलस्तर से तरबगंज और कर्नलगंज तहसील क्षेत्र के 10 से अधिक गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। जिला प्रशासन ग्रामीणों को नदी के बढ़ते जलस्तर की लगातार जानकारी दे रहा है। प्रभावित गांवों में लोगों के आवागमन के लिए प्रशासन ने नावें लगाई हैं, जबकि ग्रामीण भी निजी नावों का इस्तेमाल कर रहे हैं। तीन दिन पहले घाघरा नदी का जलस्तर लगातार घट रहा था और यह खतरे के निशान से 24 सेंटीमीटर नीचे पहुंच गई थी। अब अचानक जलस्तर बढ़ने से नदी फिर खतरे के निशान के ऊपर पहुंच गई है। बाढ़ खंड विभाग के अधिकारियों के मुताबिक रविवार देर शाम तक जलस्तर में और बढ़ोतरी हो सकती है। गोंडा में सरयू नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। इससे तरबगंज तहसील के नवाबगंज क्षेत्र में कटान तेज हो गई है। सरयू और घाघरा दोनों नदियां किसानों की फसलों और उपजाऊ जमीन को लगातार प्रभावित कर रही हैं। तटवर्ती इलाकों में किसानों की चिंता बढ़ गई है।

रविवार सुबह घाघरा नदी में कुल 3.43 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसमें गिरजा बैराज से 1,83,738 क्यूसेक, शारदा बैराज से 1,53,584 क्यूसेक और सरयू बैराज से 6,617 क्यूसेक पानी शामिल है। बाढ़ खंड विभाग के अनुसार पिछले 12 घंटे में 6 लाख क्यूसेक से अधिक पानी नदी में छोड़ा गया है, जिसका असर अब जलस्तर पर दिखाई दे रहा है। जलस्तर बढ़ने के बाद बाढ़ खंड विभाग ने जिले की सभी 28 बाढ़ चौकियों पर हाई अलर्ट जारी किया है। तटबंधों की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर ड्रोन कैमरों से नजर रखी जा रही है। वहीं अलग–अलग अति संवेदनशील तटबंधों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी निगरानी की जा रही है। गोंडा बाढ़ खंड विभाग के अधिशासी अभियंता जयसिंह ने बताया कि घाघरा नदी फिलहाल खतरे के निशान से 4 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है।

# अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, वक्ताओं ने कहा– विचार, चरित्र और धैर्य की मिसाल थे

**संवाददाता—बलरामपुर।** पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। रविवार को एक निजी मैरिज लॉन में हुई इस सभा में सैकड़ों लोगों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। अटल बिहारी वाजपेयी का निधन 16 अगस्त 2018 को हुआ था। इस कार्यक्रम का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी की पारिवारिक सदस्य और भाजपा नेत्री अंजली मिश्रा ने किया था।

श्रद्धांजलि सभा में गोंडा सदर विधायक प्रतीक भूषण शरण सिंह, बलरामपुर सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, पूर्व सांसद एवं भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित थे। वक्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व, कृतित्व और बलरामपुर से उनके गहरे रिश्ते को याद किया। उन्होंने बताया कि बलरामपुर वह भूमि है जिसने अटल बिहारी वाजपेयी के संसदीय जीवन को पहली बड़ी पहचान दी।

अटल बिहारी वाजपेयी 1957 में पहली बार बलरामपुर लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित होकर संसद पहुंचे थे। उन्होंने 1967 में भी इसी क्षेत्र का

प्रतिनिधित्व किया। यह ऐतिहासिक संबंध आज भी बलरामपुर के निवासियों के मन में अटल बिहारी वाजपेयी के प्रति गहरी श्रद्धा का आधार है। सभा को संबोधित करते हुए गोंडा सदर के विधायक प्रतीक भूषण शरण सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी को केवल माला चढ़ाकर याद करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनसे कुछ मांगना भी चाहिए। उन्होंने कहा, "हमें अटल जी से धैर्य मांगना चाहिए।"

विधायक ने अटल बिहारी वाजपेयी के राजनीतिक जीवन का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने दशकों तक अपनी विचारधारा से समझौता किए बिना संघर्ष किया। उन्होंने जोर दिया, अटल जी जैसा बनने के लिए 40 साल इंतजार करने का धैर्य चाहिए, व्यक्तित्व और विचारधारा नहीं बदलनी चाहिए। प्रतीक भूषण शरण सिंह ने आगे कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी बलरामपुर में कोई विरासत, धन या वैभव लेकर नहीं आए थे, बल्कि विचार, चरित्र और धैर्य लेकर आए थे। उनके अनुसार, आज की राजनीति में शोर, जल्दबाजी और शॉर्टकट बढ़ गए हैं, जबकि अटल बिहारी वाजपेयी मर्यादा, संयम और सिद्धांतों के पर्याय थे।

विधायक ने अटल बिहारी वाजपेयी की विकास दृष्टि का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि स्वर्णिम चतुर्भुज, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और सर्व शिक्षा अभियान जैसी पहलों ने देश की बुनियादी तस्वीर बदल दी थी।

# मासूम बच्ची को गोद में लेकर ट्रेन के आगे कूदने का प्रयास, महिलाओं ने बचाई जान

**संवाददाता—बहराइच।** प्रेम के लिए सऊदी अरब में पति और 18 वर्षीय बेटे को छोड़कर भारत आई 40 वर्षीय शबाना की कहानी शनिवार रात दर्दनाक मोड़ पर पहुंच गई। जिस प्रेमी के भरोसे उसने अपना घर–परिवार, पति और जवान बेटे तक को पीछे छोड़ दिया, उसी रिश्ते में जब धोखे और विवाद का सामना हुआ तो वह जिंदगी से हार गई। छह माह की मासूम बेटी को सीने से लगाए शबाना यूपी में बहराइच के जरवलरोड रेलवे स्टेशन पहुंची और ट्रेन के सामने कूदकर अपनी और मासूम की जिंदगी खत्म करने का फैसला कर लिया। वह मौत की ओर कदम बढ़ा ही रही थी कि प्लेटफार्म पर मौजूद जरवलरोड निवासी महिलाओं की नजर उस पर पड़ गई। महिलाओं ने दौड़कर उसे पकड़ लिया और मासूम समेत बचा लिया। इसके बाद शबाना ने जो दर्दभरी दास्तान सुनाई, उसे सुनकर मौके पर मौजूद कई लोगों की आंखें भर आईं। बताया जाता है कि तेलंगाना के हैदराबाद निवासी शबाना की शादी सऊदी अरब में एक शेख से हुई थी। उसका 18 वर्षीय बेटा सैफ भी उसके साथ रहता था। सऊदी में शेख के यहां नौकरी करने वाले जरवलरोड थाना क्षेत्र के ग्राम खिदरापुर निवासी नदीम से उसकी मुलाकात हुई। मुलाकात धीरे–धीरे नजदीकियों और फिर प्रेम में बदल गई। प्यार के आगे शबाना ने अपना परिवार तक पीछे छोड़ दिया और करीब 10 माह पहले सब कुछ छोड़कर नदीम के साथ खिदरापुर आ गई। लेकिन यहां पहुंचने के बाद उसके सपनों का संसार बिखर गया। उसे पता चला कि जिस नदीम के प्रेम में उसने सब कुछ छोड़ दिया, वह पहले से ही उज्मा नाम की महिला से शादीशुदा है। इसके बाद रिश्ते में तनाव बढ़ता गया। शनिवार रात करीब सात बजे दोनों के बीच विवाद हुआ। आहत शबाना छह माह की बच्ची को लेकर जरवलरोड रेलवे स्टेशन पहुंची और मौत को गले लगाने का मन बना लिया।

प्लेटफार्म पर मौजूद महिलाओं ने समय रहते महिला को रोक लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस महिला और बच्ची को सुरक्षित थाने ले गई। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि महिला को सुरक्षित पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है और पूरे मामले की जानकारी जुटाते हुए पूछताछ की जा रही है। मामले में महिला के बयान दर्ज किए गए हैं। आगे की कार्रवाई महिला के अनुसार की जाएगी। पुलिस महिला के प्रेमी को भी बुला रही है। उससे भी जनाकारी ली जाएगी। पुलिस ने कहा कि महिला और बच्ची दोनों सुरक्षित हैं।

## धार्मिक यात्रा पर आई श्रीलंकाई महिला की बिगड़ी तबीयत, लुंबिनी से श्रावस्ती जाते समय मौत

**संवाददाता—श्रावस्ती।** धार्मिक यात्रा पर भारत आई श्रीलंका की एक महिला दर्शनार्थी की शनिवार को लुंबिनी से श्रावस्ती जाते समय अचानक तबीयत बिगड़ गई। 46 विदेशी यात्रियों के दल के साथ टूरिस्ट बस से यात्रा कर रही महिला के सीने में अचानक तेज दर्द उठा। सहयात्रियों ने तत्काल उसे संभाला और दल में शामिल महिला स्वास्थ्यकर्मी ने प्राथमिक उपचार के साथ सीपीआर देकर जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। आनन–फानन बस को बलरामपुर की ओर मोड़कर महिला को जिला मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। श्रीलंका के कालूबौला के रहने वाले तुसारी इनौक की पत्नी 56 वर्षीय कहापोला अदा रैचिगे धार्मिक यात्रा पर भारत आई थीं। टूरिस्ट बस चालक मुकेश के अनुसार 46 यात्रियों का यह दल भोपाल से धार्मिक यात्रा पर निकला था। दल ने यात्रा के दौरान सांची, कौशांबी, वाराणसी, गया, कुशीनगर और वैशाली समेत कई प्रमुख बौद्ध स्थलों का भ्रमण किया। इसके बाद सभी यात्री नेपाल के लुंबिनी पहुंचे थे। शनिवार सुबह लुंबिनी से दल श्रावस्ती के लिए रवाना हुआ था।

बताया गया कि श्रावस्ती पहुंचने से कुछ किलोमीटर पहले बस में सवार महिला ने अचानक सीने में तेज दर्द होने की शिकायत की। उसकी हालत बिगड़ते देख सहयात्रियों में शामिल श्रीलंकाई महिला स्वास्थ्यकर्मी ने तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया। महिला को सीपीआर भी दिया गया, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उसकी हालत सामान्य नहीं हो सकी। महिला की हालत लगातार बिगड़ती देख चालक ने बस को बलरामपुर की ओर मोड़ दिया। उसे जिला मेमोरियल चिकित्सालय की इमरजेंसी में लाया गया। वहां तैनात चिकित्सक डॉक्टर अल्ताफ ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। सहयात्रियों के मुताबिक दल की धार्मिक यात्रा अभी करीब छह दिन और चलनी थी। 22 अगस्त को दल को दिल्ली से श्रीलंका के लिए रवाना होना था।लेकिन यात्रा के बीच अचानक हुई साथी महिला की मौत ने पूरे दल को झकझोर दिया। कुछ देर पहले तक धार्मिक स्थलों के दर्शन और यात्रा को लेकर उत्साहित यात्रियों के बीच अचानक मातम छा गया।

वहीं, इस मामले में नगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि महिला के सीने में दर्द उठा था। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मामले की छानबीन की जा रही है। रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट होगी।

## रसिकाचार्य झुनझुनिया बाबा को संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। रामनगरी की आध्यात्मिक परंपरा केवल मंदिरों और तीर्थों की गाथा नहीं, बल्कि उन संत–महात्माओं की तपस्या से भी निर्मित हुई है, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दिया। ऐसे ही भजनानंदी एवं रसिक परंपरा के महान संत परम पूज्य रसिकाचार्य जानकी शरण महाराज, जिन्हें श्रद्धापूर्वक झुनझुनिया बाबा के नाम से जाना जाता है, की 31वीं पुण्यतिथि पर संतों और श्रद्धालुओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।मां सरयू के पावन तट पर स्थित सिद्धपीठ श्री सियाराम किला आज भी झुनझुनिया बाबा की साधना, तपस्या और भक्ति का जीवंत स्मारक है। सरयू तट का यह क्षेत्र संतों की साधना से पवित्र हुआ और झुनकी घाट कालांतर में झुनझुनिया बाबा के नाम से प्रसिद्ध हुआ। सियाराम किला आज भी अपनी प्राचीन आध्यात्मिक गरिमा और वैभव को संजोए हुए रामनगरी की संत परंपरा को आलोकित कर रहा है।

जानकी शरण महाराज का जीवन वैराग्य, भक्ति और भगवत प्रेम का अनुपम उदाहरण रहा। उन्होंने सांसारिक मोह–माया से विरक्त होकर अपना अधिकांश जीवन प्रभु भजन, साधना और संत सेवा में व्यतीत किया। उनकी साधना स्थली सियाराम किला आज भी उनकी आध्यात्मिक चेतना की साक्षी है। श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया के दिन उन्होंने 31 वर्ष पूर्व देह त्याग किया था। उनकी पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष संत समाज

और श्रद्धालु उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं।पुण्यतिथि समारोह का आयोजन पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज के पावन सान्निध्य तथा मंदिर के अधिकारी एवं प्रख्यात कथावाचक स्वामी प्रभंजनानंद शरण महाराज की देखरेख में किया गया। प्रातःकाल संतों और श्रद्धालुओं ने पूज्य महाराज की चरण पादुकाओं का विधिविधान से पूजन किया। इसके बाद भव्य अभिषेक एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए इसके उपरांत आयोजित श्रद्धांजलि सभा में संत–महंतों, धर्माचार्यों और श्रद्धालुओं ने रसिकाचार्य जानकी शरण महाराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उनके चरणों में श्रद्धा–सुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि अयोध्या की संत परंपरा में झुनझुनिया बाबा का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि मनुष्य यदि अपना चित्त भगवान के चरणों में लगा दे तो सांसारिक जीवन भी साधना का माध्यम बन जाता है। उनका तप, भजन और संत सेवा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

श्रद्धांजलि सभा में मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास, महंत गौरी शंकर दास, बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण, हनुमानगढ़ी के श्रीमहंत मुरली दास, महंत रामलोचन शरण, महंत राजीव लोचन शरण, श्रीराम आश्रम के महंत जयराम दास, महंत रामनरेश दास, नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास, महंत राजू दास, हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास, करुणानिधान भवन के अधिकारी रामनारायण दास सहित बड़ी संख्या में संत–महंत एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूर्व सांसद लल्लू सिंह सहित हजारों लोगों ने भी संत शिरोमणि को श्रद्धा निवेदित की।समारोह में आए संतों एवं अतिथियों का मंदिर के संत प्रहलाद दास ने परंपरागत रूप से स्वागत–सत्कार किया। धार्मिक अनुष्ठानों और श्रद्धांजलि सभा के बाद वृहद भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें संतों, श्रद्धालुओं और उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

# फर्जी तरीके से क्षतिपुर्ति लेने का प्रयास वादी पर पड़ा भारी, न्यायालय ने मुकदमा दर्ज करने का दिया आदेश

**सुल्तानपुर (आभा)।** दुर्घटना करने वाले वाहन को बदल कर बीमित वाहन के खिलाफ क्षतिपूर्ति के लिए मुकदमा दाखिल करना वादी मुकदमा को भारी पड गया। गो डिजीट जनरल इंश्योरेन्श कम्पनी के द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्य के आधार मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण सुलतानपुर के न्यायाधीश डॉ लक्ष्मी कान्त राठौर ने पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर को वादी मुकदमा रामहेत मुकदमा में पक्षकार बनाये गये वाहन स्वामी श्रीप्रकाश पाण्डेय व चालक लवकुश तिवारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने का आदेश दिया। न्यायालय ने विवेचक के खिलाफ भी विभागीय दण्डात्म कार्यवाही हेतु एसपी को आदेश दिया है। याचिका दाखिल करने वाले के अधिवक्ता के विरूद्ध उचित कार्यवाही हेतु बार कौसिल उत्तर प्रदेश को अवगत कराये जाने हेतु पत्र लिखने का निर्देश दिया है।

बीमा कम्पनी के अधिवक्ता शिव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि थाना कोतवाली नगर जनपद सुलतानपुर में वादी मुकदमा रामहेत के द्वारा वाहन संख्या यूपी 44 ए एम 7527 के खिलाफ दर्ज कराया गया कि दिनांक 25 जुलाई 2021 को उक्त वाहन ने उनके माता पिता को ठोकर मार दिया जिसके कारण दोनो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। दुर्घटना में आयी चोट के कारण उनकी माता की मृत्यु हो गयी। विवेचना के उपरान्त पुलिस के द्वारा वाहन संख्या यूपी 44 ए वाई 4909 के खिलाफ आरोप पत्र प्रेषित किया।

ग्राम सैदपुर पोस्ट महराजगंज जिला सुलतानपुर निवासी छेदीलाल ने मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण सुलतानपुर के न्यायालय में अपनी पत्नी के मृत्यु व स्वंय के चोटिल होने के आधार पर वाहन संख्या यूपी 44 ए वाई 4909 के पंजीकृत स्वामी दो प्रतिकर याचिका दाखिल किया। बीमा कम्पनी को नोटिस मिलने पर कम्पनी के क्षेत्रीय प्रबन्धक हरप्रीत सिंह व अनवेषण प्रबन्धक दिनेश गौतम ने मामले की तहकीकात किया तो वाहन संख्या यूपी 44 ए एम 7527 से दुर्घटना कारित करने की फोटो प्राप्त हुई जो न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए यह कथन जिस वाहन के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गयी था उसका बीमा न होने के कारण कम्पपी द्वारा बीमित वाहन संख्या यूपी 44 ए वाई 4909 को आरोपित किया गया है, आरोपित वाहन चालक लवकुश तिवारी प्रथम सूचना रिपोर्ट में अंकित वाहन स्वामी का मौसेरा भाई है। बीमा कम्पनी की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर न्यायालय ने दानो प्रतिकर याचिका खारिज करने का आदेश करते हुए याचीगण, वाहन स्वामी व चालक के विरूद्व मुकदमा दर्ज कराने का आदेश दिया। विवेचक सैयद नसिरूददीन के विरूद्व विभागीय एवं दाण्डात्मक कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर को आदेश दिया। याची अधिवक्ता के खिलाफ भी उचित कार्यवाही हेतु बार कौंसिल उत्तर प्रदेश को अवगत कराने का निर्देश दिया है।

# हाईटेंशन लाइन से टच हुआ डीजे, एक कांवड़िया की मौत, एक गंभीर घायल

**संवाददाता–गोरखपुर।** गोरखपुर के पिपराइच इलाके के जंगल तिनकोनिया पिपराइच मुख्य मार्ग पर रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। डीजे लगी ट्रैक्टर–ट्रॉली सड़क किनारे से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से सट गई। इस घटना में एक कांवड़िया की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

कांवड़ियों का एक जत्था दोहरीघाट से जल लेकर लौट रहा था। वे डीजे बजाते हुए पादरी बाजार होते हुए जंगल धूसड़ के आगे तिनकोनिया जंगल क्षेत्र से गुजर रहे थे। इसी दौरान ट्रॉली पर रखा डीजे सड़क किनारे लटकी हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। तार से तेज चिंगारी निकली और मौके पर भगदड़ मच गई। हादसे में दो कांवड़िए गंभीर रूप से झुलस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत मदद की। सभी को पिपराइच सीएचसी ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत देख चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान एक कांवड़िए ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान पिपराइच के जंगल अहमद अली शाह उर्फ तुर्रा निवासी 24 वर्षीय करण चौहान के रूप में हुई है। वहीं, झझवा चौराहा निवासी 25 वर्षीय मोहन भारती का इलाज अभी भी चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दुखद घटना के बाद मृतक करण चौहान के घर में कोहराम मच गया है। परिवार में शोक का माहौल है। डीजे संचालक ने घटनास्थल पर ही अपना डीजे खोलकर उतार लिया।

# सार्वजनिक रास्ते पर कब्जे की शिकायत पर दबंगों ने घर पर चढ़कर पीटा

**संवाददाता–गोरखपुर।** गोला थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कब्जे की शिकायत करना एक युवती को भारी पड़ गया। आरोप है कि शिकायत से नाराज दबंगों ने घर पर चढ़कर युवती और उसकी बहन के साथ मारपीट की। घटना में युवती के कान में गंभीर चोट आई और रक्तस्राव होने लगा। उसका इलाज गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोपालपुर निवासी जूली शर्मा पुत्री रमाकांत शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 14 अगस्त को दिन में करीब 1:10 बजे वह अपनी पुश्तैनी जमीन पर बैठी थी। आरोप है कि इसी दौरान घर के सामने रहने वाले राहुल यादव, गिरिजा यादव, मीना देवी समेत अन्य लोग वहां पहुंचे और गाली–गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने लात–मुक्के और डंडे से उसकी पिटाई शुरू कर दी। जूली के मुताबिक, शोर सुनकर उसकी बहन चांदनी वहां पहुंची तो आरोपितों ने उसके साथ भी मारपीट की। दोनों बहनों को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। तहरीर में मनोज यादव पर फोन के जरिए आरोपितों को उकसाने और धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस वायरल वीडियो की भी जांच कर रही है।

# विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को दिया नि:शुल्क परामर्श, जांच व दवा

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। मां विंध्यवासिनी धर्मार्थ चिकित्सालय, बिशेषरगंज में रविवार को राज राजेश्वरी हॉस्पिटल, फैजाबाद के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने पहुंचकर मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें निरूशुल्क चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक जांच तथा दवाएं उपलब्ध कराईं।

शिविर में न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन डॉ. विनीत सिंह, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. आराधना मिश्रा, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. धर्मेंद्र कुमार, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक मिश्रा तथा वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बीपी यादव, डॉ खुशबू एमडी पेन मैनेजमेंट ने मरीजों की जांच की।शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र से आए मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। चिकित्सकों ने मरीजों को बीमारी से बचाव, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा समय पर उपचार कराने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। समाजसेवी डा. राजवंत सिंह ने बताया गया कि शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं पहुंचाना है।शिविर में हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, बीपी तथा पल्स की जांच भी निरूशुल्क की गई। इस दौरान भकरही प्रधान विंध्यवासिनी सिंह, आलोक सिंह बलवंत सिंह अनिल ठाकरे रामबाबू सोनी जेपी सिंह सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# बेटे की मौत के सदमे में पिता ने भी तोड़ा दम, एक ही चिता पर हुए विदा

**संवाददाता–गोरखपुर।** खजनी थाना क्षेत्र के सोहरां गांव में स्वतंत्रता दिवस पर एक परिवार पर ऐसा दुखों का पहाड़ टूटा कि पिता–पुत्र की एक साथ मौत हो गई। बीमार बेटे की अस्पताल में मौत की खबर के बाद पिता भी सदमा बर्दाश्त नहीं कर सके और कुछ ही देर में उनकी भी मौत हो गई। रविवार को दोनों की एक साथ शवयात्रा निकली और एक ही चिता पर पिता–पुत्र का अंतिम संस्कार किया गया। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में मातम पसरा है। बेलडांड़ ग्रामसभा के सोहरां गांव निवासी मोहित मौर्या के बेटे राकेश मौर्या (42) पिछले कुछ दिनों से बीमार थे।

शुक्रवार 14 अगस्त की देर शाम अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तेज खांसी आने लगी और सांस लेने में परेशानी होने लगी। परिवार के लोग तत्काल उन्हें गोरखपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया और बाद में उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया। देर रात इलाज के दौरान राकेश की मौत हो गई। राकेश का शव जब घर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया।इसी दौरान घर के बाहर शांत बैठे राकेश के पिता मोहित मौर्या (62) अचानक एक तरफ लुढ़ककर गिर गए। परिवार के लोगों ने उन्हें बेहोश समझकर चेहरे पर पानी के छींटे मारे और डॉक्टर को बुलाया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि उनकी मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई। एक परिवार में कुछ घंटे के अंतराल पर दो मौतों से गांव में मातम छा गया। शनिवार को दोनों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया। मोहित मौर्या के तीन बेटे लालजी मौर्या, गुड्डू मौर्या और सबसे छोटे राकेश मौर्या थे। राकेश के परिवार में पत्नी के अलावा बेटी वनिता और बेटे कुंदन व शिवम हैं।

# स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर 'तिरंगा कॉन्सर्ट' का किया गया आयोजन

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर बहुउद्देशीय हॉल, राजकीय इंटर कॉलेज बस्ती में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 'तिरंगा कॉन्सर्ट' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग के राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी तथा उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' के गायन से हुई। इसके बाद देशभक्ति गीतों पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज तथा जीआरएस इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि दानिश आजाद अंसारी ने अपने संबोधन में युवाओं से एकजुट होकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला ने छात्र–छात्राओं से समाज की बुराइयों से दूर रहकर अपने भीतर राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में बड़ी संख्या में छात्रों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनके त्याग और बलिदान को हमें सदैव स्मरण रखना चाहिए तथा राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह, ब्लॉक प्रमुख रामनगर यशकांत सिंह, मोहम्मद आलम चौधरी, भाजपा उपाध्यक्ष भानु प्रताप मिश्रा, अखंड प्रताप सिंह, अमित वर्मा, जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना, पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अपूर्वा सिंह, जिला विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला पर्यटन अधिकारी सहित जनपद के अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को मंच पर सम्मानित किया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्र–छात्राओं तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले एनएसएस, स्काउट एवं गाइड के प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की शिक्षिका श्रीमती मानवी सिंह ने किया। कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया।

# रानी अवंतीबाई ने 1857 में जलाई क्रांति की लहर

**संवाददाता–गोरखपुर।** आजादी के पहले स्वतंत्रता संग्राम में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की अहम भूमिका रही। उन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में क्रांति की लौ जलाई। यह कहना है सपा के महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी का। वह रविवार को रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन सपा के बेतियाहाता स्थित कार्यालय पर हुआ। इस मौके पर जिला महासचिव रामनाथ यादव, शब्बीर कुरैशी, बृजनाथ मौर्य, सुमन पासवान, भृगुनाथ निषाद, सच्चिदानंद यादव, राजेश सिंह सैंथवार, महेंद्र यादव, रमेश सोनकर, प्रविंद्र यादव, अखिलेश मौर्य, रमेश यादव, सर्वेश यादव, नासरा खातुन, दुर्बल यादव, गौतम निषाद, शहबाज अहमद व अन्य मौजूद रहे।

# देश व समाज के लिए समर्पित रहा अटल जी का जीवन

**संवाददाता–गोरखपुर।** पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की पुण्य तिथि पर बेनीगंज स्थित भाजपा महानगर कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपाइयों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके कृतित्व को याद किया गया। महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता के साथ भाजपा नेताओं ने अटल जी के चित्र पर पुष्प चढ़ा कर कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई का पूरा जीवन देश और समाज के लिए समर्पित रहा। भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी की स्थापना से लेकर संगठन को ऊंचाई तक ले जाने में अटल जी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है।

प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी ने देश और समाज हित में कार्य करते हुए भारत का मस्तक दुनिया में ऊंचा किया। परमाणु परीक्षण और कारगिल युद्ध में विजय दिलाकर अटल जी ने राष्ट्र प्रथम के अपने संकल्प को पूरा किया। कहा कि अटल जी अब हमारे बीच नहीं हैं, बावजूद भावी पीढ़ी के लिए उनका व्यक्तित्व और कृतित्व प्रेरणा का स्रोत है।श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों मे महामंत्री ओमप्रकाश शर्मा, उपाध्यक्ष शशिकांत सिंह, महानगर मंत्री अजय श्रीवास्तव, अमित कुमार श्रीवास्तव, प्रशांत विश्वकर्मा, प्रदीप सिंह, विशाल गुप्ता, पवन यादव, सत्यार्थ मिश्रा, अशोक गुप्ता, आशुतोष पाण्डेय, महेश मौर्या, जितेन्द्र अग्रवाल जीतू, पूरन गुप्ता, अजय मणि त्रिपाठी, सिद्धांतों घोष, आशुतोष पाण्डेय, दुर्गेश कोरी, जितेन्द्र निषाद आदि उपस्थित रहे।

# भानपुर में उमड़े लोग निकाली भव्य तिरंगा यात्राः दिया संदेश

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

**भानपुर, (बस्ती)।** राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर देश के प्रति प्रेम और एकता का संदेश देने के लिए भानपुर के उकड़ा हनुमान मंदिर से सोनहा बाजार तक भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन भाजपा नेता नितेश शर्मा एवं लक्ष्मीकांत पांडेय पप्पू के संयुक्त संयोजन में किया गया।

यह यात्रा बस्ती डुमरियागंज मार्ग पर उकड़ा से भानपुर कस्बा होते हुए सोनहा बाजार पहुंची, जहाँ जगह–जगह पर नागरिकों ने फूलों की वर्षा कर इसका स्वागत किया। हाथों में तिरंगा थामे युवाओं और स्थानीय लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। आयोजकों ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से हमारे अमर शहीदों के बलिदान को याद करने और देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेने के लिए किया गया।

सोनहा बाजार स्थित लोक निर्माण विभाग के डाकबंगले पर यात्रा के समापन पर आयोजित संक्षिप्त सभा में भाजपा नेता लक्ष्मीकांत पांडेय, नितेश शर्मा, सत्येंद्र शुक्ल जिप्पी, चंद्रभान गुप्ता, राकेश शर्मा, सुजीत सोनी, विजय तिवारी, राकेश उपाध्याय, रामनेवास गिरी, ओमप्रकाश शुक्ल, उमाकांत शुक्ल, मनोज पांडेय, प्रधान संघ अध्यक्ष सोनू मिश्र, इंद्रसेन उपाध्याय, सत्यप्रकाश मिश्र, अन्नू उपाध्याय, मिंडर भट्ट सहित अनेक वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारी शान और देश के गौरव का प्रतीक है। सभी क्षेत्रवासियों से अपील की गई कि वे अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर गर्व के साथ तिरंगा फहराएं तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देश की एकता और सुरक्षा की शपथ ली।

# पुलिस अधीक्षक हेडक्वार्टर आशुतोष मिश्रा की 94 वर्षीय मां की संदिग्ध मौत, जेवर गायब मिलने से हत्या की आशंका

**संवाददादता–अम्बेडकरनगर।** उत्तर प्रदेश पुलिस में पुलिस अधीक्षक हेडक्वार्टर के पद पर तैनात आशुतोष मिश्रा की 94 वर्षीय मां इंद्रावती की रविवार दोपहर बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घर में मृत मिली बुजुर्ग महिला के शरीर से सोने के जेवर गायब मिलने और मुंह से खून निकलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मामला मालीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रूढ़ा धमरूआ का है। बताया गया कि 16 अगस्त को दोपहर करीब 3:50 बजे आशुतोष मिश्रा को उनके चाचा सचिंद्र मिश्रा ने फोन कर सूचना दी कि उनकी मां इंद्रावती को हार्ट अटैक आया है और उनकी मौत हो गई है। सूचना मिलते ही आशुतोष मिश्रा लखनऊ से घर पहुंचे। परिजनों के साथ शव को देखने पर हालात सामान्य नहीं लगे। परिजनों के मुताबिक, मृतका के गले से सोने की चेन, सोने के दानों वाली तुलसी की माला, नाक की कील और कान के टॉप्स गायब थे। पैरों में पहनी जाने वाली पायल भी शव पर नहीं मिली। इसके साथ ही मृतका के मुंह से खून निकल रहा था। इन परिस्थितियों ने मौत को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हार्ट अटैक से मौत की सूचना के बाद जेवर गायब मिलने और मुंह से खून निकलने से परिजनों ने हत्या कर आभूषण लूटे जाने की आशंका जताई है। सूचना पर मालीपुर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव का पंचायतनामा भरवाया और पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी अकबरपुर भेज दिया। पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर छानबीन कर रहे हैं। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर पूरे मामले की दिशा टिकी है। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मौत के कारणों की जांच की जा रही है। संदिग्ध परिस्थितियों में हुई इस मौत ने पुलिस विभाग से जुड़े परिवार में भी चिंता बढ़ा दी है। पुलिस के अनुसार मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। हालांकि, 94 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत, शरीर से जेवर गायब होना और मुंह से खून निकलना इन तीनों परिस्थितियों ने मामले को गंभीर और संदिग्ध बना दिया है। अब जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि यह स्वाभाविक मौत थी या बुजुर्ग महिला की हत्या कर जेवर लूटे गए।

# बांसी में आग की घटना, मौके पर पहुंचे विधायक जय प्रताप सिंह

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

**सिद्धार्थनगर।** बांसी कस्बे के सर्राफा मार्केट में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मकान में अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरातफरी का माहौल बन गया। मकान के अंदर एक बुजुर्ग के फंसे होने की जानकारी सामने आने के बाद लोगों की चिंता और बढ़ गई।

सूचना मिलते ही बांसी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। आग की गंभीरता को देखते हुए आसपास के मकानों में रहने वाले लोगों को भी सुरक्षा की दृष्टि से बाहर कराया गया, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो।

मौके पर क्षेत्राधिकारी बांसी भी मौजूद रहे और स्थिति का जायजा लेते हुए राहत–बचाव कार्य की निगरानी की।

घटना की जानकारी मिलते ही बांसी विधायक जय प्रताप सिंह भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। विधायक ने मौके पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवार से मुलाकात कर उनका हाल जाना तथा हरसंभव सहयोग और सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

विधायक जय प्रताप सिंह ने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से अपील की कि प्रभावित परिवार को आवश्यक सहायता एवं राहत तत्काल उपलब्ध कराई जाए।

घटना के बाद पूरे इलाके में काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। पुलिस और स्थानीय लोग स्थिति को नियंत्रित करने तथा प्रभावित परिवार की मदद में जुटे रहे।

# क्रिकेटर सहवाग ने किए रामलला–हनुमानगढ़ी के दर्शन

**संवाददाता–अयोध्या।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग शनिवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने श्रीराम मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन–पूजन किया। सहवाग ने कहा कि उन्हें वर्षों से अयोध्या आने का इंतजार था, जो आज पूरा हो गया। कहा कि अयोध्या में हुआ बदलाव पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। नई अयोध्या आकर्षक हो गई है। उन्होंने कहा कि कई वर्ष बाद उन्हें यहां दर्शन करने का सौभाग्य मिला है। सहवाग ने अपनी अयोध्या यात्रा को अद्भुत अनुभूति बताया। उन्होंने कहा कि वह खुद को बहुत धन्य और खुश महसूस कर रहे हैं। भगवान श्रीराम, हनुमान जी दर्शन से बढ़िया और क्या हो सकता है। अयोध्या आकर बहुत अच्छा लगा।

सहवाग दोपहर लगभग एक बजे श्रीराम मंदिर पहुंचे और आधे घंटे तक वहां रहे। इसके बाद वह हनुमानगढ़ी गए, जहां उन्होंने करीब एक घंटे तक दर्शन–पूजन किए। हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी राजू दास ने उनका स्वागत किया और मंदिर की महत्ता के बारे में बताया। सहवाग ने साधु–संतों से भी मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। सहवाग के आने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में प्रशंसक उनसे मिलने पहुंच गए। दर्शन के बाद वीरेंद्र सहवाग लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

# कुदरहा में स्वतंत्रता दिवस पर याद किए गए बलिदानी

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

कुदरहा, (बस्ती)। स्वतंत्रता दिवस पर खण्ड विकास कार्यालय पर ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने ध्वजा रोहण कर शहीद स्तंभ पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर बलिदानियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। पीएचसी पर फार्माशिष्ट जेपी वर्मा, ब्लाक संसाधन केंद्र पर बीईओं विनोद त्रिपाठी, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पर वार्डन वत्सला श्रीवस्तव,पुलिस चौकी कुदरहा पर चौकी इंचार्ज रुदल बहादुर सिंह, सिंगारी देवी इन्टर कालेज अइलिया पर पूर्व ब्लाक प्रमुख ब्रह्मदेव यादव देवा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुदरहा डा सुनील यादव, पंचायत भवन कुदरहा इंद्रकुमार चौधरी, अमृत सरोवर रसूलपुर पर प्रधान अजय पाल, प्राथमिक विद्यालय छरदही प्रधान रमेश चौधरी, पंचायत भवन परेवा प्रधान राम प्रकाश यादव,पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिपरपाती मुस्तहकम पर प्रधान सोनू यादव, प्राथमिक विद्यालय टिकुईया पर प्रधान प्रतिनिधि राजेश यादव, पूर्व माध्यमिक विद्यालय परसांव पर भाजपा नेता इंद्रपाल मल्लू, प्राथमिक विद्यालय टेगरिहा राजा में प्रधान राजेंद्र प्रसाद ने ध्वजा रोहण किया।

**दैनिक भारतीय बस्ती**

**संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय**

**स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।**

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

**अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–** चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

**लखनऊ कार्यालय–** आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

**गोरखपुर कार्यालय–** इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
**dainikbhartiyabasti@gmail.com**